# आयत आरेख

सामान्य आयत आरेख — इसमें क्षेत्रफल उत्पादन आदि की सूचना संख्याओं को निकटतम मानकर उन्हें घटते क्रम में रखकर पूर्व निश्चित मापनी के आधार पर सभी क्षेत्रफल ज्ञात कर लिया जाता है।

तत्पश्चात क्रमशः भुजाओं की असमान लम्बाई व चौड़ाई इस प्रकार से ज्ञात की जाती है कि वे बराबर एक-दूसरे से छोटे बनते जाए — अर्थात इसमें लम्बाई - चौ० दोनों की उत्तरोत्तर घटती जाती है। ऐसा करने से कम स्थान में अधिक आंकड़ों को दर्शाया जा सकता है और न्यूनतम अनुपातिक अन्तर भी शीघ्र समझा जा सकता है।

Scanned by SelfScan

## सारणी 11

**भारत में प्रमुख फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल**—1970-71 (लाख हेक्टरों में)

(मापनी 1 वर्ग से०मी०=5 लाख हेक्टर)

| क्र० सं० | फसलों के नाम | वास्तविक क्षेत्रफल | निकटतम संख्या | क्षेत्रफल (वर्ग से०मी० में) | उत्तरोत्तर क्रम में | लम्बाई (से०मी० में) | चौड़ाई (से०मी० में) | कॉलम 6 के आधार पर प्राप्त वर्गमूल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| 1. | चावल | 374·32 | 374·00 | 74·8 | 80·6 | 11 | 7·33 | 8·98 |
| 2. | गेहूँ | 179·82 | 180·00 | 36·0 | 74·8 | 10·6 | 7·05 | 8·65 |
| 3. | मक्का | 58·39 | 58·00 | 11·6 | 44·8 | 8 | 5·8 | 6·69 |
| 4. | अन्य खाद्यान्न | 402·80 | 403·00 | 80·6 | 36·0 | 7·2 | 5·0 | 6·0 |
| 5. | दालें | 224·1 | 224·00 | 44·8 | 30·6 | 6·8 | 4·5 | 5·63 |
| 6. | तिलहन | 153·2 | 153·00 | 30·6 | 15·2 | 5·1 | 3·0 | 3·87 |
| 7. | गन्ना | 26·6 | 27·00 | 5·4 | 11·6 | 4·6 | 2·5 | 3·40 |
| 8. | कपास | 76·1 | 76·00 | 15·2 | 7·0 | 3·5 | 2·0 | 2·64 |
| 9. | अन्य रेशे | 10·7 | 11·00 | 2·2 | 5·4 | 3·0 | 1·8 | 2·32 |
| 10. | अन्य फसलें | 35·0 | 35·00 | 7·0 | 2·2 | 1·5 | 0·74 | 1·48 |
| | योग | | 1541·00 | | 308·12 | | | |

रचना विधि

Scanned by SelfScan

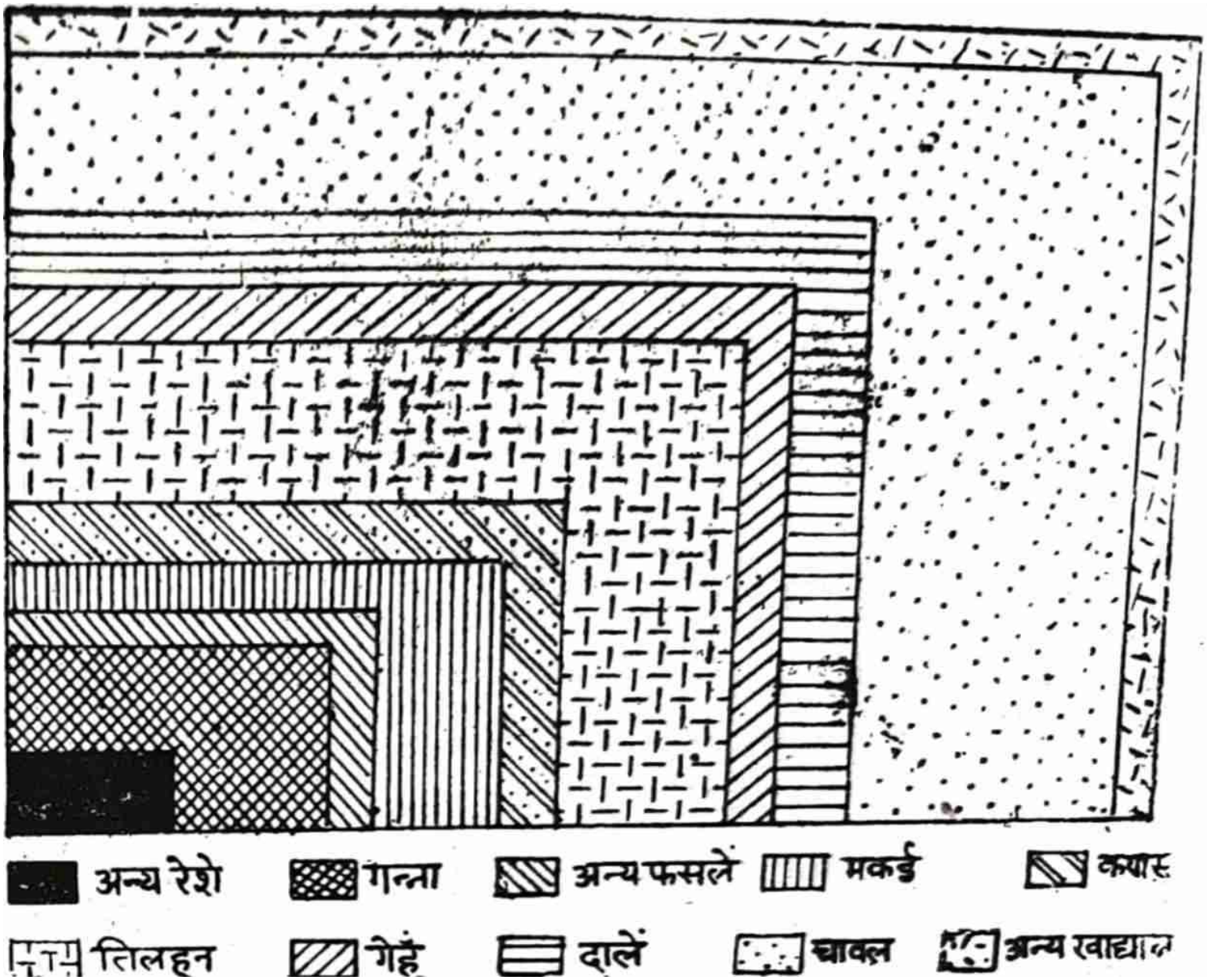


Scanned by SelfScan

रचना विधि :-

विभाजित आयत :-

यह मिश्रित दण्ड का ही विकसित रूप है। इसमे लम्बाई के साथ-साथ चौड़ भी इस प्रकार निश्चित की जाती है कि दर्शाये गए तत्वों या वस्तुए का क्षेत्रफल भी सही-सही आ जाए।

प्रायः सुविधा के लिए विभाजित आयत की चौड़ एक इंच रख ली जाती है इससे मापनी के अनुसार जितने वर्ग इंच का क्षेत्रफल आता है उतने ही उस घटक की लंब लेकर उसे आयत की लम्बी भुजा के सहारे चिह्नित करते जाते है सम्पूर्ण आयत की लम्बाई उत्पादन या क्षेत्रफल आदि तत्व विशेष सभी घटको की जोड़ के बराबर होती है।

यदि चौड़ाई दो या तीन cm निश्चित करते है तो क्षेत्रफल ज्ञात करने के बाद लम्बाई को उसी अनुपात मे क्रमशः आधा या एक तिहाई करते है।

Scanned by SelfScan